No. of Printed Pages/Questions: 4 / 13

O. P. JINDAL SCHOOL, SAVITRI NAGAR

Half Yearly Examination (2019 – 2020)

Class / Section: VIII **MM: 80**
Subject: HINDI **Time: Hrs. 3.00**
Name: ____________ Roll No.:__________

(Fifteen Minutes Extra will be given for reading the Question Paper.)
***General Instructions:** All questions are compulsory*

(1) इस प्रश्न पत्र में चार खण्ड हैं– 'क' , 'ख', 'ग' और 'घ' ।
(2) चारों खण्ड अनिवार्य हैं।
(3) प्रश्नों के सभी उपभागों के उत्तर क्रमशः एक साथ लिखिए।
(4) उत्तर–पुस्तिका में उत्तर के साथ वही क्रम संख्या लिखिए जो प्रश्न–पत्र में दी गई है।
(5) निर्धारित समय–सीमा 3.00 +15 घंटे हैं।

(खण्ड–क)

प्र0 1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (1+1+2+2+2)

प्रकृति की ताकत के सामने इंसान कितना बौना है, यह कुछ समय पहले फिर सामने आया। वह सहनशीलता, धैर्य, अनुशासन की प्रतिमूर्ति के रूप में हमारा पथ–प्रदर्शन करती है, हमारे भीतर संघर्ष का भाव जगाकर समस्या के हल के लिए उत्प्रेरक का काम करती है, लेकिन जब भी इंसान ने खुद को जीवन देने वाले प्रकृति–प्रदत्त उपहारों– जल, जंगल और ज़मीन का शोषण जोंक की भाँति करने की कोशिश की, तब चेतावनी के रूप में प्रकृति के अनेक रंग देखने को मिले हैं। जल का स्वभाव है अविरल प्रवाह, जिसे बाँधना वर्तमान समय में मनुष्य की फ़ितरत बन गई है। वनों ने हमेशा मनुष्य को लाभ ही दिया, लेकिन स्वार्थ में अंधे मनुष्य ने वनों को बेरहमी से उजाड़ने, पेड़ों को काटने में कभी संकोच नहीं किया। नदियों की छाती को छलनी कर अवैध खनन के रोज़ नए रिकार्ड बनाना इंसान का स्वभाव बन चुका है। पहाड़ों को खोदकर अट्टालिकाएँ खड़ी करने में हमें हिचक नहीं होती। पृथ्वी के गर्भ से भू–जल, खनिज, तेल आदि को अंधाधुंध या बेलगाम तरीके से निकाले जाने का सिलसिला जारी है। इसीलिए नतीजे के तौर पर अगर हर साल तबाही का सामना करना पड़े तो कोई आश्चर्य की बात नहीं होनी चाहिए।

हमें याद रखना होगा कि जब भी प्रकृति अपना अनुशासन तोड़ती है, तब भारी तबाही का मंज़र ही सामने आता है। आज ज़रूरत इस बात की नहीं है कि हम इतिहास का दर्शन कर खुद को कभी भी पुरानी हालत और रवैये में रहने दें, बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि हम प्रकृति के इस रूप को गंभीरता से लेते हुए अपने आचरण में यथोचित सुधार करें और प्रकृति की सीमा का अतिक्रमण न करें।

क) गद्यांश के लिए उचित शीर्षक लिखिए ?
ख) प्रकृति हमारे लिए क्या काम करती है ?
ग) जल का स्वभाव कैसा है ?
घ) मनुष्य को किस कार्य में हिचक नहीं होती ?
ङ) हमें क्या याद रखना होगा ?

प्र0 2 **निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–** (1+1+1+2+2)

पंथ पर चलना तुझे तो मुस्कराकर चल मुसाफ़िर
वह मुसाफ़िर क्या जिसे कुछ शूल ही पथ के थका दें ?
हौसला वह क्या जिसे कुछ मुश्किलें पीछे हटा दें ?
वह प्रगति भी क्या जिसे कुछ रंगीन कलियाँ तितलियाँ;
मुस्कराकर गुनगुनाकर ध्येय–पथ, मंज़िल भुला दें।
ज़िंदगी की राह पर केवल वही पंथी सफल है,
आँधियों में बिजलियों में जो रहे अविचल मुसाफ़िर !
पंथ पर चलना तुझे तो मुस्कराकर चल मुसाफ़िर।
जानता जब तू कि कुछ भी हो तुझे बढ़ना पड़ेगा,
आँधियों से ही न खुद से भी तुझे लड़ना पड़ेगा।
सामने जब तक पड़ा कर्तव्य–पथ तब तक मनुज ओ
मौत भी आए अगर तो मौत से भिड़ना पड़ेगा।

क) कवि मुसाफ़िर को किस प्रकार चलने के लिए कह रहा है ?
ख) कविता में कवि ने मुसाफ़िर किसे नहीं माना है ?
ग) किस प्रकार के मुसाफ़िर सफल होते हैं ?
घ) यह कविता मनुष्य को क्या सीख देती है ?
ङ) कविता में खुद से भी लड़ने का क्या आशय है ?

(खण्ड–ख)

प्र0 3 अ **नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए–** (1X4=4)

क) 'अति' उपसर्ग से दो शब्द बनाइए।
ख) 'अवशेष' और 'निर्बल' शब्दों के उपसर्ग एवं मूलशब्द पृथक कीजिए।
ग) 'आहट' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।
घ) 'अनुमानित' शब्द का उपसर्ग, मूलशब्द एवं प्रत्यय पृथक कीजिए।

प्र0 3 ब **नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए–** (1X3=3)

क) कर्मधारय समास का एक उदाहरण लिखकर उसका विग्रह कीजिए।
ख) 'माता–पिता' का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।
ग) 'रसोईघर' का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।

प्र0 4 **नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए–** (1X4=4)

क) बच्चों <u>के लिए</u> फल लाओ। (रेखांकित पद में कौन–सा कारक है ?)
ख) अधिकरण कारक का प्रयोग कर एक वाक्य बनाइए।
ग) गुणवाचक विशेषण का प्रयोग कर एक उदाहरण लिखिए।
घ) <u>वह</u> किताब मेरी है। (रेखांकित पद में विशेषण का कौन–सा प्रकार है ?)

प्र0 5 नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए– (1X4=4)

क) पूर्वकालिक क्रिया का प्रयोग कर एक वाक्य बनाइए।

ख) 'अध्यापक ने बच्चों को हिंदी पढ़ाया।' कर्म के आधार पर क्रिया भेद बताइए।

ग) 'जिसकी लाठी, उसकी भैंस'– सर्वनाम का भेद लिखिए।

घ) 'गांधी जी अपना काम स्वयं करते थे।' रेखांकित पद में सर्वनाम का कौन–सा भेद है ?

(खण्ड–ग)

प्र0 6 नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (1+2+2)

आज देश में ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो अपने पुरखों की चिट्ठियों को सहेज और सँजोकर विरासत के रूप में रखे हुए हों या फिर बड़े–बड़े लेखक, पत्रकारों, उद्यमी, कवि, प्रशासक, संन्यासी या किसान, इनकी पत्र रचनाएँ अपने आप में अनुसंधान का विषय हैं। अगर आज जैसे संचार साधन होते तो पंडित नेहरू अपनी पुत्री इंदिरा गांधी को फोन करते, पर तब पिता के पत्र पुत्री के नाम नहीं लिखे जाते जो देश के करोड़ों लोगों को प्रेरणा देते हैं। पत्रों को तो आप सहजेकर रख लेते हैं पर एसएमएस संदेशों को आप जल्दी ही भूल जाते हैं। कितने संदेशों को आप सहेजकर रख सकते हैं? तमाम महान हस्तियों की तो सबसे बड़ी यादगार या धरोहर उनके द्वारा लिखे गए पत्र ही हैं। भारत में इस श्रेणी में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को सबसे आगे रखा जा सकता है। दुनिया के तमाम संग्रहालय जानी मानी हस्तियों के पत्रों का अनूठा संकलन भी हैं। तमाम पत्र देश, काल और समाज को जानने–समझने का असली पैमाना हैं। भारत में आजादी के पहले महासंग्राम के दिनों में जो कुछ अंग्रेज़ अफसरों ने अपने परिवारजनों को पत्र में लिखे वे आगे चलकर बहुत महत्त्व की पुस्तक तक बन गए। इन पत्रों ने साबित किया कि यह संग्राम कितनी जमीनी मज़बूती लिए हुए था।

क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

ख) देश, काल और समाज को जानने समझने का असली पैमाना पत्र क्यों है ?

ग) किनके पत्र अनुसंधान के विषय हैं ?

प्र0 7 नीचे दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (2X4=8)

क) मशीनी युग से बदलू के जीवन में क्या बदलाव हुए ?

ख) लेखक ने कंपनी के हिस्सेदार की तरफ़ श्रद्धाभाव से क्यों देखा ?

ग) दोषों का पर्दाफ़ाश करना कब बुरा रूप ले सकता है ?

घ) बचपन में लेखक अपने मामा के गाँव चाव से क्यों जाता था ?

ङ) बुरा आचरण क्या है ? 'क्या निराश हुआ जाए' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए।

प्र0 8 नीचे दिए गए पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (1+2+2)

हरे–हरे ये पात,
डालियाँ, कलियाँ, कोमल गात।
मैं ही अपना स्वप्न–मृदुल–कर
फेरूँगा निद्रित कलियों पर
जगा एक प्रत्यूष मनोहर।
पुष्प–पुष्प से तंद्रालस

लालसा खींच लूँगा मैं,

अपने नव जीवन का अमृत

सहर्ष सींच दूँगा मैं।

क) कवि और कविता का नाम लिखिए।

ख) फूलों को अनंत तक विकसित करने के लिए कवि कौन–कौन सा प्रयास करता है ?

ग) पुष्पों की तंद्रा और आलस्य दूर हटाने के लिए कवि क्या करना चाहता है ?

प्र0 9 नीचे दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (2X4=8)

क) 'दीवानों की हस्ती' कविता के अनुसार दीवानों की क्या–क्या विशेषताएँ हैं ?

ख) पक्षी और बादल द्वारा लाई गई चिट्ठियों को कौन–कौन पढ़ पाते हैं ?

ग) यह कठिन समय नहीं है ? यह बताने के लिए कविता में कौन–कौन से तर्क प्रस्तुत किए गए हैं ?

घ) भगवान के डाकिए किसे कहा गया है और क्यों ?

ङ) कबीर घास की निंदा करने से क्यों मना करते हैं ?

प्र0 10 नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (2X2=4)

क) भगवद्गीता क्या है ? इसके रचनाकाल के बारे में क्या अनुमान लगाया जाता है ?

ख) पाणिनी कौन थे ? इन्होंने कौन–सी पुस्तक लिखी थी ?

(खण्ड–घ)

प्र0 11 किसी विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर सारगर्भित निबंध लिखिए– (1X10=10)

क) **विज्ञापन की अनूठी दुनिया**

संकेत बिंदु विज्ञापन का अर्थ, वर्तमान युग विज्ञापन का युग, विज्ञापन की आवश्यकता, विज्ञापन के प्रकार, विज्ञापन के लाभ, उपसंहार।

ख) **दिन–प्रतिदिन बढ़ता प्रदूषण**

संकेत बिंदु वैज्ञानिक युग में उत्पन्न हो रही समस्याएँ, प्रदूषण का अर्थ, प्रदूषण के कारण, प्रदूषण के प्रभाव, समस्या का समाधान।

ग) **बेटी बचाओ : बेटी पढ़ाओ**

संकेत बिंदु अभियान का आरंभ, योजना एवं कार्यक्रम, उद्देश्य, लाभ, उपसंहार

प्र0 12 दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए– (1X5=5)

खेल के सामान के समुचित व्यवस्था करवाने हेतु प्राचार्य महोदय को एक पत्र लिखिए।

अथवा

अपने क्षेत्र में एक पार्क विकसित कराने के लिए नगर निगम अधिकारी को पत्र लिखिए।

प्र0 13 किसी एक विषय पर संवाद लिखिए। (1X5=5)

परीक्षा–कक्ष से बाहर निकलने के बाद दो विद्यार्थियों के बीच बातचीत।

अथवा

मोबाईल गेम के विषय में पिता और पुत्र के बीच बातचीत।

---00---